



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

25 फाल्गुन 1931 (श०)

(सं० पटना १७७) पटना, मंगलवार, १६ मार्च २०१०

पंचायती राज विभाग

अधिसूचना

१२ मार्च २०१०

सं० १४/स-१-४०१३/२०००/पं०रा०/१९३९— भारत के संविधान के अनुच्छेद-३०९ के परन्तुक के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार-राज्यपाल पंचायती राज विभाग, बिहार के नियंत्रणाधीन प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी, व्याख्याता जिला पंचायत राज प्रशिक्षण संस्थान/मुखिया-सरपंच प्रशिक्षण संस्थान, जिला पंचायत राज पदाधिकारी एवं प्राचार्य, जिला पंचायत राज प्रशिक्षण संस्थान/मुखिया सरपंच प्रशिक्षण संस्थान के कर्त्ताकित पदों को सम्मिलित करते हुए बिहार पंचायत सेवा की घोषणा करते हैं और उनकी भर्ती, प्रोत्त्रित एवं सेवा शर्तों के विनियमन हेतु निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं :—

- संक्षिप्त नाम, विस्तार एवं प्रारंभ ।— (१) यह नियमावली "बिहार पंचायत सेवा नियमावली, २०१०" कही जा सकेगी।
(२) इसका विस्तार सम्पूर्ण बिहार राज्य में होगा।
(३) यह तुरंत के प्रभाव से प्रवृत्त होगी।
- परिभाषाएँ ।— जबकि कोई बात संदर्भ में विरुद्ध न हो इस नियमावली में :—
 - "राज्यपाल" से अभिप्रेत है बिहार राज्यपाल;
 - "राज्य सरकार" से अभिप्रेत है बिहार राज्य सरकार;
 - "नियुक्ति प्राधिकार" से अभिप्रेत है अराजपत्रित पदों के संदर्भ में सचिव, पंचायती राज विभाग तथा राजपत्रित पदों के संदर्भ में बिहार राज्यपाल;
 - "नियंत्री प्राधिकार" से अभिप्रेत है निदेशक, पंचायत राज, बिहार;
 - "विभाग" से अभिप्रेत है पंचायती राज विभाग, बिहार;
 - "आयोग" से अभिप्रेत है बिहार कर्मचारी चयन आयोग, बिहार लोक सेवा आयोग;
 - "सचिव" से अभिप्रेत है सचिव, पंचायती राज विभाग, बिहार;
 - "विभागाध्यक्ष" से अभिप्रेत है सचिव, पंचायती राज विभाग, बिहार;
 - "जिला पदाधिकारी" से अभिप्रेत है जिले का समाहर्ता;
 - "आयुक्त" से अभिप्रेत है प्रमंडलीय आयुक्त;
 - "उप-निदेशक, पंचायत राज" से अभिप्रेत है निदेशालय (मुख्यालय) में पदस्थापित उप-निदेशक एवं प्रमंडलीय उप-निदेशक, पंचायत राज;
 - "जिला पंचायत राज पदाधिकारी" से अभिप्रेत है सरकार द्वारा जिला स्तर पर पदस्थापित जिला पंचायत राज पदाधिकारी;

(xiii) "जिला पंचायत राज प्रशिक्षण संस्थान एवं मुखिया सरपंच प्रशिक्षण संस्थान" से अभिप्रेत है बिहार सरकार द्वारा पंचायत राज संस्थाओं के गैर-सरकारी सदस्यों एवं पदधारकों को प्रशिक्षण देने के लिए स्थापित प्रशिक्षण संस्थान;

(xiv) "प्राचार्य" से अभिप्रेत है जिला पंचायत राज प्रशिक्षण संस्थानों एवं मुखिया सरपंच प्रशिक्षण संस्थानों के प्राचार्य;

(xv) "व्याख्याता" से अभिप्रेत है जिला पंचायत राज प्रशिक्षण संस्थानों एवं मुखिया सरपंच प्रशिक्षण संस्थानों में इस प्रयोजनार्थ विशेष रूप से नियुक्त व्याख्याता;

(xvi) "प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी" से अभिप्रेत है, पंचायत राज संस्थाओं के कार्य के संचालन में सहायता एवं ग्राम पंचायत के लेखाओं, कार्यवाहियों एवं अभिलेखों का पर्यवेक्षण एवं निरीक्षण करने हेतु प्रखंड स्तर पर सरकार द्वारा विशेष रूप से नियुक्त पदाधिकारी;

(xvii) "सेवा" से अभिप्रेत है बिहार पंचायत सेवा;

(xviii) "सदस्य" से अभिप्रेत है बिहार पंचायत सेवा के सदस्य; तथा

(xix) "अधिनियम" से अभिप्रेत है बिहार पंचायत राज अधिनियम, 2006 (यथा संशोधित)।

3. सेवा/संर्वा का गठन ।— (1) इस सेवा में निम्नलिखित कोटि के पद होंगे :—

पदनाम	स्वीकृत पद	राजपत्रित/अराजपत्रित	नियुक्ति प्राधिकार	वेतनमान (रुपये में)	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6
प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी	528	अराजपत्रित	सचिव, पंचायती राज	5000-150-8000	—
व्याख्याता, जिला पंचायत राज प्रशिक्षण संस्थान/मुखिया-सरपंच प्रशिक्षण संस्थान (प्रथम प्रोन्त्रित)	46	राजपत्रित	राज्यपाल	6500-200-10500	—
जिला पंचायत राज पदाधिकारी (द्वितीय प्रोन्त्रित)	38	राजपत्रित	राज्यपाल	8000-275-13500	—
प्राचार्य, जिला पंचायत राज प्रशिक्षण संस्थान/मुखिया-सरपंच प्रशिक्षण संस्थान (तृतीय प्रोन्त्रित)	23	राजपत्रित	राज्यपाल	10000-325-15200	—

(2) इस नियमावली के लागू होने के पूर्व से उक्त कोटियों में नियुक्त एवं कार्यरत व्यक्ति स्वतः इस सेवा में शामिल समझे जायेंगे।

4. मंजूर बल ।— प्रत्येक कोटि हेतु प्राधिकृत बल नियम-3, स्तंभ-2 में उल्लिखित/स्वीकृत पद बल के अनुसार होगा। राज्य सरकार को इसमें समय-समय पर परिवर्तन करने का अधिकार होगा।

5. आरक्षण ।— सेवा में नियुक्ति/प्रोन्त्रित में राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित आरक्षण/रोस्टर के प्रावधान लागू होंगे।

6. भर्ती ।— सेवा में भर्ती मूल कोटि ("प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी") के पदों पर निम्नांकित प्रक्रियानुसार होगी :—

(1) प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी के 75% (पिचहतार प्रतिशत) पदों पर सीधी भर्ती विभागीय अधियाचना पर आयोग की अनुशंसा के आधार पर होगी।

(2) 25% (पच्चीस प्रतिशत) पदों को स्नातक योग्यताधारी पंचायत सचिवों के राज्य स्तर पर गठित उनकी वरीयता सूची से वरीयता-रह-योग्यता के आधार पर प्रोन्त्रित द्वारा भरा जायेगा। परन्तु प्रोन्त्रित हेतु वैसे पंचायत सचिव अर्हक होंगे, जिन्हें नियम-7(i) के अनुसार शैक्षणिक अर्हता हो, जो न्यूनतम 10 वर्षों से सेवारत हों तथा जिनकी अधिकतम आयु 50 वर्ष से अधिक नहीं हो तथा जो प्रोन्त्रित हेतु राज्य सरकार द्वारा निर्धारित अन्य शर्तों को पूरा करते हों।

7. प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी के पद पर भर्ती के लिए अर्हता ।—

(1) (क) सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी विश्वविद्यालय से कला, विज्ञान एवं वाणिज्य में स्नातक अध्ययन कोई ऐसी अन्य योग्यता, जिन्हें सरकार द्वारा समय-समय पर उक्त डिग्री (स्नातक) के समकक्ष घोषित किया जाय।

(ख) अध्ययन काल में अथवा उसके पश्चात ग्रामीण विकास कार्यों से सम्बद्ध उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जायेगी।

(2) उम्र सीमा – सामान्य प्रतियोगिता परीक्षा के लिए उम्मीदवार को आयोग द्वारा निर्धारित तिथि को 18 वर्ष से कम नहीं तथा सरकार (कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा समय-समय पर निर्धारित अधिकतम उम्र सीमा से अधिक नहीं होना चाहिए।

(3) आयोग खुले विज्ञापन द्वारा प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी के पदों की रिक्तियों की संख्या ऐसी रीति से विज्ञापित करेगा जैसा वह उचित समझे एवं नियुक्ति के पात्र उम्मीदवारों से आवेदन पत्र आमंत्रित करेगा। आयोग द्वारा अनुशंसित नामों के उम्मीदवारों का अन्तिम चयन नियुक्ति हेतु किया जायेगा।

(4) वेतनमान – नियम-3 के कॉलम-5 में उल्लेखित वेतनमान तथा सरकार द्वारा समय-समय पर तथा संशोधित वेतनमान अनुमान्य होगा।

8. परिवेश एवं अवधि |— प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी के स्थायी पद पर नियुक्ति की तिथि से अगले दो वर्षों की अवधि “परीक्ष्यमान अवधि” होगी; वशर्ते कि वे विहित प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि पूरा करेंगे। परीक्ष्यमान अवधि में सेवा संतोषजनक नहीं रहने पर परीक्ष्यमान अवधि एक वर्ष के लिए बढ़ायी जा सकेगी। वर्द्धित अवधि में भी सेवा संतोषजनक नहीं रहने पर सेवामुक्त किया जा सकेगा।

9. प्रशिक्षण |— प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी के पद पर नियुक्त/प्रोत्रत व्यक्ति को तीन माह की अवधि का विस्तृत प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा करना होगा।

10. विभागीय परीक्षा एवं पाठ्यक्रम |— सेवा की मूल कोटि में नियुक्त/प्रोत्रत व्यक्ति को विभाग द्वारा संचालित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करना होगा एवं राजभाषा विभाग द्वारा हिन्दी टिप्पण एवं प्रारूपण परीक्षा में भी उत्तीर्ण होना होगा।

11. सम्पुष्टि |— परीक्ष्यमान अवधि में सेवा तथा कार्यकलाप संतोषजनक रहने, विहित प्रशिक्षण पूरा करने तथा विभागीय परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी के पद पर सेवा सम्पुष्ट की जायेगी।

12. प्रोन्नति के लिए मापदंड |— सेवा के अन्तर्गत प्रोत्रति का मापदंड “वरीयता—सह—योग्यता” का सिद्धान्त होगा।

(1) चयन की प्रक्रिया – प्रोत्रति के लिए चयन के प्रयोजनार्थ गठित विभागीय प्रोत्रति समिति की अनुशंसा पर प्रोत्रति विचारणीय होगी। सेवा के अन्तर्गत विभिन्न पदों पर प्रोत्रति हेतु विभागीय प्रोत्रति समिति में सदस्य निम्नवत् रहेंगे :—

(क) प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी के 25 प्रतिशत पदों पर प्रोत्रति हेतु विभागीय प्रोत्रति समिति निम्नानुसार होगी :-

(i)	वरिष्ठ उप निदेशक/उप निदेशक—सह—उप सचिव, पंचायत राज	—	अध्यक्ष
(ii)	अनुश्रवण पदाधिकारी, पंचायत राज	—	सदस्य
(iii)	सहायक निदेशक, पंचायत राज	—	सदस्य
(iv)	कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा मनोनीत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के पदाधिकारी	—	सदस्य
	जो उप सचिव से अन्यून स्तर के हों।	—	सदस्य

(ख) व्याख्याता एवं जिला पंचायत राज पदाधिकारी के पदों पर प्रोत्रति हेतु विभागीय प्रोत्रति समिति निम्नानुसार होगी :—

(i)	कृषि उत्पादन आयुक्त/प्रधान सचिव, कृषि विभाग	—	अध्यक्ष
(ii)	सचिव, सहकारिता विभाग	—	सदस्य
(iii)	सचिव, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग	—	सदस्य
(iv)	सचिव, वन एवं पर्यावरण विभाग	—	सदस्य
(v)	कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के एक पदाधिकारी	—	सदस्य
	जो संयुक्त सचिव स्तर से न्यूनतर न हो	—	सदस्य
(vi)	प्रधान सचिव/सचिव, पंचायती राज विभाग	—	सदस्य
	सचिव/सचिव, सचिव	—	सचिव
(vii)	कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा मनोनीत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के एक पदाधिकारी जो संयुक्त सचिव से न्यूनतर के न हों।	—	सदस्य

(ग) प्राचार्य, जिला पंचायत राज प्रशिक्षण संस्थान एवं मुख्या सरपंच प्रशिक्षण संस्थान के पदों पर प्रोत्रति हेतु विभागीय प्रोत्रति समिति निम्नानुसार होगी :—

(i)	अध्यक्ष/सदस्य, बिहार लोक सेवा आयोग	—	अध्यक्ष
(ii)	सचिव, सहकारिता विभाग	—	सदस्य
(iii)	सचिव, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग	—	सदस्य
(iv)	सचिव, वन एवं पर्यावरण विभाग	—	सदस्य
(v)	कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के एक पदाधिकारी	—	सदस्य
	जो संयुक्त सचिव स्तर से न्यूनतर न हो	—	सदस्य
(vi)	प्रधान सचिव/सचिव, पंचायती राज विभाग	—	सदस्य
	सचिव/सचिव, सचिव	—	सचिव
(vii)	कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा मनोनीत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के एक पदाधिकारी जो संयुक्त सचिव से न्यूनतर के न हों।	—	सदस्य

(2) जिला पंचायत राज पदाधिकारी के स्वीकृत पदों के शत प्रतिशत पदों पर प्रोत्रति वरीयता—सह—योग्यता के आधार पर दी जायेगी।

(3) प्रोत्रति की प्रक्रिया एवं प्रोत्रति के लिए उपयुक्तता आँकड़े का मापदंड :—

(क)	राज्य सरकार (कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा समय-समय पर निर्धारित कालावधि का पूरा होना आवश्यक होगा।
-----	---

(ख) प्रोन्ति हेतु विचार के लिए अभ्यर्थियों की सेवा संतोषप्रद, आरोप-मुक्त एवं प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी के पद पर सम्पुष्ट होना आवश्यक होगा।

13. अवशिष्ट मामले :-

सेवा के सदस्यों का प्रशासी विभाग तथा उस पर प्रशासनिक नियंत्रण :-

(क) विभाग सेवा के सदस्यों पर प्रशासनिक नियंत्रण रखेगा।

(ख) प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी कोटि के सदस्य जिस जिला/प्रखंड में पदस्थापित होंगे उस जिला के जिला पदाधिकारी/प्रखंड कार्यालय प्रधान का प्रशासी प्रधान के परिचालनात्मक नियंत्रण में रहेंगे।

14. अनुशासन और अपील |- सेवा के सदस्यों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के प्रावधानों के अनुसार होगी।

15. प्रक्रीर्ण |- इस सेवा के पदों का वेतन, भर्ते, छुट्टी, पेंशन तथा अन्य सेवा शर्त तत्समय उस हेतु प्रवृत्त सामान्य सरकारी नियमों या आदेशों द्वारा विनियमित होगी।

16. कठिनाईयों का निराकरण |- यदि इन नियमों के संबंध में कोई प्रश्न उठे तो उस पर सरकार का निर्णय अंतिम होगा।

17. निरसन एवं व्यापृति |- (1) इसके द्वारा ग्राम पंचायत पर्यवेक्षक पद/सर्वर्ग के संबंध में पूर्व निर्गत नियम, निर्देश एवं परिपत्र को निरसित किया जाता है।

(2) उक्त निरसन के होते हुए भी पूर्व निर्गत नियम, निर्देश एवं पूर्व निर्गत परिपत्र के प्रावधानों के प्रयोग में किया कुछ भी या की गई कोई कार्रवाई इस नियमावली के अधीन किया गया या की गयी समझी जायगी।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

(ह०) अस्पष्ट,

सरकार के सचिव।

The 12th March 2010

No. 1Pa/Sa-1-4013/2000/P.R./1939—In exercise of power conferred under proviso of Article 309 of the Constitution of India, the Governor of Bihar do hereby, declare the formation of "Bihar Panchayat Service" comprising the earmarked posts of Block Panchayat Raj Officer, Lecturer- District Panchayat Raj Training Institute/Mukhia - Sarpanch Training Institute, District Panchayat Raj Officer and Principal- District Panchayat Raj Training Institute/Mukhia - Sarpanch Training Institute under the control of Panchayati Raj Department, Bihar and makes the following rules for the regulation of their appointment, promotion and service conditions:-

1. *Short title, extent and commencement:-*

- (1) These rules may be called the "Bihar Panchayat Service Rule, 2010."
- (2) It shall extent to the whole of the Bihar State.
- (3) It shall come into force with immediate effect.

2. *Definitions- In these rules, unless anything repugnant in the context-*

- i.** "Governor" means the Governor of Bihar;
- ii.** "State Government" means the Government of Bihar ;
- iii.** "Appointing Authority" means the Secretary, Panchayati Raj Department in context to Non-Gazetted posts and the Governor of Bihar in context to Gazetted post ;
- iv.** "Controlling Authority" means Director, Panchayat Raj;
- v.** "Department" means Panchayati Raj Department, Bihar;
- vi.** "Commission" means Bihar Staff Selection Commission (Bihar Karamchari Chayan Ayaog)/Bihar Public Service Commission;
- vii.** "Secretary" means Secretary, Panchayati Raj Department, Bihar;
- viii.** "Head of Department" means Secretary, Panchayati Raj Department, Bihar;
- ix.** "District Magistrate" means collector of a District;
- x.** "Commissioner" means Divisional Commissioner;
- xi.** "Dy.-Director, Panchayat Raj" means Dy.- Director Posted in Directorate (Headquarter) and Divisional Dy.-Director, Panchayat Raj;

xii. "District Panchayat Raj Officer" means District Panchayat Raj Officer posted by the government at district level;

xiii. "District Panchayat Raj Training Institute and Mukhia, Sarpanch Training Institute" means training institutes established by the Government of Bihar in order to impart training to non-official member and Officer bearers of Panchayat Raj Institutions;

xiv. "Principal" means principals of District Panchayat Raj Training Institutes and Mukhia-Sarpanch Training Institutes;

xv. "Lecturer" means lecturer especially appointed for this purpose in District Panchayat Raj Training Institutes and Mukhia-Sarpanch Training Institutes;

xvi. "Block Panchayat Raj Officer" means an officer especially appointed at Block level for the purpose of facilitating execution of functions of Panchayat Raj Institutions and supervision and inspection of accounts proceedings and records of Gram Panchayat.

xvii. "Service" means Bihar Panchayat Service;

xviii. "Member" means member of the Bihar Panchayat Service; and

xix. "Act" means the Bihar Panchayat Raj Act, 2006 (As amended up to dated).

3. Constitution of Service/ Cadre.— (1) This service shall comprise the posts as follows.—

Name of the Post	Sanctioned Strength	Non-Gazetted /Gazetted	Appointing Authority	Pay Scale	Remarks
1	2	3	4	5	6
Block Panchayat Raj Officer	528	Non-Gazetted	Secretary, Panchayati Raj	5000-150-8000	
Lecturer-District Panchayat Raj Training Institute/ Mukhia-Sarpanch Training Institute (First Promotion)	46	Gazetted	Governor	6500-200-10500	
District Panchayat Raj Officer (Second Promotion)	38	Gazetted	Governor	8000-275-13500	
Principal District Panchayat Raj Training Institute/ Mukhia-Sarpanch Training Institute (Third Promotion)	23	Gazetted	Governor	10000-325-15200	

(2) The persons appointed and working in the above categories before coming into the effect of this Rule shall be deemed to be automatically included in this Service.

4. *Sanctioned strengths*- The sanctioned strength for each category shall be as per the sanctioned posts/strength as mentioned under column 2 under rule 3. The State Government shall have right to make alteration in it from time to time.

5. *Reservation*- The provisions of roster/reservation made by the State Government from time to time shall be applicable in appointment/ Promotion in the service.

6. *Recruitment*- The recruitment in the basic category (Block Panchayat Raj Officer) Shall be in accordance with the following procedure -

- (i) The direct recruitment on 75% (seventy five percent) posts of Block Panchayat Raj Officer shall be on the basis of recommendation of the Commission made on departmental requisition.
- (ii) The 25% (twenty five percent) posts shall be filled-up by the promotion on the principle of seniority-cum-merit from the State Gradation list of Panchayat Secretaries having graduate qualification.

But, for the promotion those Panchayat Secretaries shall be eligible who have acquired educational qualification as per Rule 7(i); who have been in service for a minimum of 10 yrs, whose maximum age dose no exceed 50 yrs. and who have been fulfilled the others conditions laid down by the State Government.

7. *Qualification for the recruitment on the post of Block Panchayat Raj Officer*:-

(1) (a) Graduate in Arts, Science and Commerce, from any University recognized by the Government or any other qualification as declared equivalent to the aforesaid degree (Graduation) by the Government from time to time.

(b) Candidates concerned with Rural Development Works during the course of their studies or thereafter shall be given preference.

(2) Age Limit :- The age limit for candidates for general competitive examination shall not be less than 18 years as on the date fixed by the Commission, and not exceeding the maximum age limit determined by the Government (Personnel & Administrative Reforms Department) from time to time.

(3) The Commission shall advertise the number of vacancies for Block Panchayat Raj officer by open advertisement in the manner and ways as it deems fit and shall invite application from the candidates eligible for appointment. Name of these candidates recommended by the Commission shall be finally selected for appointment.

(4) Pay scale :- Pay scale mentioned in column 5 of rule - 3 and the pay scale as revised by the Government from time to time shall be admissible.

8. *Probation and period* :- The period of 2 years from the date of appointment on the permanent post of Block Panchayat Raj Officer shall be the "Probation Period" that he/she completes the prescribed training programs, etc . The probation period may be extended for further on year, in case service is no found satisfactory during the probation period. If the service is not found satisfactory even in the extended period the service may be terminated.

9. *Training* - The persons appointed/promoted on the post of Block Panchayat Raj Officer shall have to complete a three months exhaustive training program.

10. *Departmental Examination and syllabus*- The persons appointed/ promoted on the post of Block Panchayat Raj Officer shall have to pass the training course conducted by the Department and the Noting, Drafting examination of Rajbhasha Department.

11. *Confirmation*- Subject to the satisfactory performance and service during probation period, competition of prescribed training and being successful in the department examination, the service shall be confirmed on the post of Block Panchayat Raj Officer.

12. *Criteria for promotion*:- The criteria for promotion within the service shall be the principle of Seniority-cum-Merit.

(1) *Selection Process*: - The promotion shall be considerable on recommendation of Departmental Promotion Committee constituted for the purpose of selection for promotion. Members of the Departmental Promotion Committee for promotions on different posts within the service shall be as follow:-

A. The Departmental Promotion Committee for promotion on the 25% posts of Block Panchayat Raj Officer shall be as follow:-

(i)	Senior most Deputy-Director/ Deputy-Director-cum-Deputy-Secretary, Panchayat Raj	-	Chairman
(ii)	Monitoring Officer, Panchayat Raj	-	Member
(iii)	Assistant Director, Panchayat Raj	-	Member
(iv)	An officer belonging to SC/ST Community, not below the rank of Dy-Secretary, nominated by the Personnel & Administrative Reforms Department	-	Member

B. The Departmental Promotion Committee for promotion on the posts of Lecturer and District Panchayat Raj Officer shall be as follow:-

(i)	Commissioner Agriculture Production/ Principal Secretary, Agriculture Department	-	Chairman
(ii)	Secretary, Co-operative Department	-	Member
(iii)	Secretary, Animal Husbandry & Fisheries Department	-	Member
(iv)	Secretary, Forest & Environment Department	-	Member
(v)	An officer of the Personnel & Administrative Reforms Department, Not below the rank of Jt.-Secretary	-	Member
(vi)	Principal Secretary/Secretary, Panchayati Raj Department	-	Member Secretary

(vii) An officer belonging to SC/ST community, not below the rank of Jt.-Secretary, nominated by the Personnel & Administrative Reforms Department - Member

C. The Departmental Promotion Committee for promotion on the post of Principal- District Panchayat Raj Training Institute/Mukhia - Sarpanch Training Institute shall be as follow:—

- (i) Chairman/Member, Bihar Public Service Commission - Chairman
- (ii) Secretary, Co-operative Department - Member
- (iii) Secretary, Animal Husbandry & Fisheries Department - Member
- (iv) Secretary, Forest & Environment Department - Member
- (v) An officer of the Personnel & Administrative Reforms Department, not below the rank of Jt.-Secretary, - Member
- (vi) Principal Secretary/Secretary, Panchayati Raj Department - Member Secretary
- (vii) An officer belonging to SC/ST Community, not below the rank of Jt.-Secretary, nominated by the Personnel & Administrative Reforms Department - Member.

(2) Promotion on the hundred percent posts of District Panchayat Raj Officer shall be given on the basis of Seniority cum Merit.

(3) Procedure for promotion and criteria for assessing appropriateness for Promotion:-

- (a) It shall be necessary to complete to the qualifying period as prescribed by the State Government (Personnel and Administrative Reforms Department) from time to time.
- (b) To be considered for promotion, the services of the candidates must be satisfactory, allegation free and confirmed on the post Block Panchayat Raj Officer.

13. *Residual matter* :- Administrative Department of the Member the service and administrative control thereon :-

- (a) The administrative control over the members of the service shall be under the department.
- (b) Members of the Block Panchayat Raj Officer category shall be under the functional control of such District Magistrate/administrative Head of Block office under whose jurisdiction the members have been posted.

14. *Discipline and Appeal*: - Disciplinary action against the members of this service shall be taken in accordance with the provisions of the Bihar Government Servant (Classification, Control and Appeal) Rule, 2005.

15. *Miscellaneous*:- Pay, Allowance, Leave, Pension and others service conditions for the posts of this service shall be regulated by general government rules or orders in force for the time being for the purpose.

16. *Removal of difficulties*:- If any question arises in respect of these rules, the decision of the government shall be final in the matter.

17. *Repeal and Saving*:- (1) Rules, directions and circulars issued previously in respect of the post of Gram Panchayat Supervisor/cadre are hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal anything done or any action taken in exercise of provisions of the previously issued rules, directions and circulars issued previously shall be deemed to be done or taken under this Rule.

By order of the Governor of Bihar,
(Sd.) Illegible,
Secretary to the Government.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 177-571+500-डी०टी०पी०।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>